पाठ 9

1. क्या परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी को बनाना समाप्त कर दिया?

-हां।

2. परमेश्वर हमेशा उस कार्य को क्यों समाप्त करता है जिसे वह शुरू करता है?

-क्योंकि परमेश्वर कभी नहीं बदलते।

-क्योंकि परमेश्वर को अपना काम खत्म करने से कोई नहीं रोक सकता।

3. जब परमेश्वर एक कार्य शुरू करता है, तो क्या शैतान या उसके दुष्टात्माएँ उसके कार्य को रोक सकते हैं?

-नहीं।

4. सातवें दिन परमेश्वर ने विश्राम क्यों किया?

-क्योंकि परमेश्वर ने वह सब बनाया जो उसने बनाने की योजना बनाई थी।

5. परमेश्वर ने कितने दिनों में सब कुछ बनाया?

-सिर्फ छह दिनों में।

6. अगर शुरुआत में बारिश नहीं हुई थी, तो परमेश्वर ने पृथ्वी को कैसे सींचा?

-परमेश्वर ने जमीन से उठी धुंध से पृथ्वी को सींचा।

7. परमेश्वर द्वारा लगाए गए बगीचे का नाम क्या था?

-अदन का बांग।

8. परमेश्वर ने अदन की वाटिका किसके लिए लगाई थी?

-आदम के लिए।

9. परमेश्वर ने आदम के लिए बाग क्यों लगाया?

-क्योंकि परमेश्वर आदम से बहुत प्यार करता था।

10. परमेश्वर ने आदम से यह क्यों नहीं पूछा कि क्या वह आदम को अदन की वाटिका में रख सकता है?

-क्योंकि परमेश्वर ने आदम को बनाया, आदम परमेश्वर का था।

11. क्योंकि परमेश्वर ने सभी लोगों को बनाया है, सभी लोग किसके हैं?

-सभी लोग परमेश्वर के हैं।

12. अदन के बाग के बीच में परमेश्वर द्वारा लगाए गए पहले पेड़ का नाम क्या था?

-ज़िन्दगी का पेड़।

13. परमेश्वर ने जीवन का वृक्ष अदन की वाटिका के बीच में क्यों लगाया?

-परमेश्वर चाहते थे कि आदम पेड़ से खाए और हमेशा जीवित रहे।

14. अदन की वाटिका के बीच में परमेश्वर द्वारा लगाए गए दूसरे वृक्ष का क्या नाम था?

-अच्छाई और बुराई के ज्ञान का वृक्ष।

15. भले और बुरे के ज्ञान के वृक्ष के लिए, परमेश्वर ने आदम को क्या आज्ञा दी थी?

-परमेश्वर ने आदम को उसका फल न खाने की आज्ञा दी।

16. यदि आदम ने भले और बुरे के ज्ञान के वृक्ष का फल खा लिया, तो क्या होगा?

-आदम मर जाएगा।

17. मृत्यु क्या है?

-परमेश्वर से अलगाव, जीवन देने वाला।

-शरीर से आत्मा का अलग होना।

-अनन्त अग्नि की झील में पृथक्करण।

-आइए पढ़ें कि आदम को बनाने के बाद परमेश्वर ने क्या कहा:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 2:18

18- यहोवा परमेश्वर ने कहा, "मनुष्य का अकेला रहना अच्छा नहीं। मैं उसके लिए उपयुक्त एक सहायक बनाऊँगा।"

-परमेश्वर ने फैसला किया कि आदम को अकेले नहीं रहना चाहिए।

-परमेश्वर ने आदम के लिए एक पत्नी बनाने का फैसला किया।

-परमेश्वर ने आदम से नहीं पूछा कि आदम क्या चाहता है।

-परमेश्वर ने अकेले आदम के लिए एक पत्नी बनाने का फैसला किया।

-परमेश्वर ने आदम के लिए पत्नी बनाने का फैसला क्यों किया?

-क्योंकि परमेश्वर आदम से बहुत प्यार करता था।

-क्योंकि परमेश्वर नहीं चाहता था कि आदम अकेला रहे।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 2:19-20

19 अब यहोवा परमेश्वर ने मैदान के सब पशुओं, और आकाश के सब पक्षियों को भूमि में से उत्पन्न किया था। वह उन्हें उस मनुष्य के पास ले गया, कि वह उनका क्या नाम रखे; और जो कुछ मनुष्य ने प्रत्येक जीवित प्राणी को पुकारा, वही उसका नाम था।

20 इस प्रकार उस मनुष्य ने सब पशुओं, और आकाश के पक्षियों, और मैदान के सब पशुओं के नाम रखे।

-शुरुआत में परमेश्वर ने आदम को सारे संसार का मुखिया बनाया।

-शुरुआत में परमेश्वर ने आदम को सभी जानवरों का मुखिया भी बनाया था।

-परमेश्वर ने आदम से सभी जानवरों के नाम देने को कहा।

-तो आदम ने सभी जानवरों के नाम रखे।

-लेकिन आदम अभी भी पृथ्वी पर अकेला व्यक्ति था।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 2:20

20-लेकिन आदम के लिए कोई उपयुक्त सहायक न मिला।

-क्या परमेश्वर ने लोगों और जानवरों को एक जैसा बनाया है?

-नहीं।

-परमेश्वर ने लोगों और जानवरों को अलग-अलग कैसे बनाया?

-परमेश्वर ने अपनी छवि में जानवरों को नहीं बनाया।

-परमेश्वर ने केवल लोगों को अपनी छवि में बनाया है।

-लोग परमेश्वर को जान सकते हैं, लेकिन जानवर परमेश्वर को नहीं जान सकते।

-लोग परमेश्वर से प्यार कर सकते हैं, लेकिन जानवर परमेश्वर से प्यार नहीं कर सकते।

-लोग परमेश्वर को चुन सकते हैं, लेकिन जानवर परमेश्वर को नहीं चुन सकते।

-अगर आदम कुछ सोच रहा था, तो क्या वह जानवरों को अपने साथ सोचने के लिए कह सकता था?

-नहीं।

-अगर आदम खुश था या उदास, तो क्या वह जानवरों को उसके साथ खुश या दुखी होने के लिए कह सकता था?

-नहीं।

-अगर आदम कुछ करना चाहता था, तो क्या वह जानवरों से पूछ सकता था कि क्या वे उसके साथ ऐसा करना पसंद करेंगे?

-नहीं।

-क्या जानवर आदम के लिए उपयुक्त साथी थे?

-नहीं।

-आदम को एक उपयुक्त साथी की आवश्यकता थी जिसके साथ वह बात कर सके।

-क्योंकि परमेश्वर आदम से प्यार करते थे, परमेश्वर ने आदम के लिए एक पत्नी बनाने का फैसला किया।

-क्या आदम अपने लिए एक पत्नी बनाने में सक्षम था?

-नहीं।

-क्या शैतान और उसके राक्षस आदम के लिए एक पत्नी बनाने में सक्षम थे?

-नहीं।

-कौन अकेले आदम के लिए पत्नी बनाने में सक्षम था?

-परमेश्वर।

-एक दिन, परमेश्वर ने आदम के लिए एक पत्नी बनाई।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 2:21-22

21 इस प्रकार यहोवा परमेश्वर ने उस मनुष्य को गहरी नींद में सुला दिया; और जब वह सो रहा था, तब उस ने उस मनुष्य की एक पसली लेकर उस स्थान को मांस से बन्द कर दिया।

22 तब यहोवा परमेश्वर ने उस पसली में से एक स्त्री को बनाया जो उस ने उस पुरूष में से निकाली थी, और वह उसे उस पुरूष के पास ले आया।

-केवल परमेश्वर ही आदम के लिए एक पत्नी बनाने में सक्षम थे।

-परमेश्वर की शक्ति कभी समाप्त नहीं होती।

-ऐसा कुछ भी नहीं है जो ईश्वर नहीं कर सकता।

-परमेश्वर ने पहली महिला को बनाया और उसे आदम को उपहार के रूप में दिया।

-अगर किसी ने आपको कोई बड़ा तोहफा दिया है, तो क्या आप उसकी अच्छी तरह से देखभाल करेंगे?

-हां।

-अगर किसी ने आपको एक गाय दी, तो क्या आप उसकी अच्छी देखभाल करेंगे?

-हां।

-अगर किसी ने आपको कार दी, तो क्या आप उसकी अच्छी देखभाल करेंगे?

-हां।

-परमेश्वर ने पहली महिला को बनाया, और उसे एक महान उपहार के रूप में आदम को दिया।

-परमेश्वर चाहता था कि आदम अपनी पत्नी की अच्छी देखभाल करे।

-परमेश्वर चाहता था कि आदम अपनी पत्नी से बहुत प्यार करे।

-आइए पढ़ें कि आदम ने क्या कहा जब परमेश्वर ने उसे अपनी पत्नी दी:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 2:23-24

23 उस मनुष्य ने कहा, अब यह मेरी हड्डियों में की हड्डी, और मेरे मांस में का मांस है; वह स्त्री कहलाएगी, क्योंकि वह पुरूष में से निकाली गई है।"

24 इस कारण पुरूष अपने माता पिता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा, और वे एक तन हो जाएंगे।

-परमेश्वर ने स्त्री को पुरुष के लिए बनाया ताकि उनकी शादी हो सके।

-परमेश्वर ने स्त्री को पुरुष के लिए बनाया ताकि वे एक साथ रह सकें।

-परमेश्वर ने स्त्री को पुरुष के लिए बनाया ताकि उनके बच्चे हो सकें।

-परमेश्वर जो कुछ भी करता है वह अच्छा होता है।

-परमेश्वर जो कुछ भी करता है वह परिपूर्ण होता है।

-ऐसा इसलिए है क्योंकि परमेश्वर केवल अच्छे और परिपूर्ण हैं।

-परमेश्वर कुछ भी बुरा नहीं सोच सकते।

-परमेश्वर कुछ भी बुरा नहीं कह सकते।

-परमेश्वर कुछ भी बुरा नहीं कर सकते।

-क्या आपको लगता है कि आदम एक पत्नी का महान उपहार पाकर खुश था?

-हां।

-आदम बहुत खुश था।

-आदम की पत्नी का क्या नाम था?

-आदम की पत्नी का नाम हव्वा था।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 2:25

25 पुरुष और स्त्री दोनों नंगे थे, और उन्हें कोई शर्म नहीं आई।

-शुरुआत में आदम को कोई शर्म नहीं आई।

-शुरुआत में हव्वा को भी शर्म नहीं आई।

-शुरुआत में, परमेश्वर ने आदम और हव्वा को परिपूर्ण बनाया।

-शुरुआत में आदम और हव्वा कोई बुराई नहीं जानते थे।

-शुरुआत में आदम और हव्वा परमेश्वर के साथ-साथ चले और बहुत खुश हुए।